



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 171]
No. 171]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 23, 1984/ज्यैष्ठ 2, 1906
NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 23, 1984/JYAISTHA 2, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय

राजस्व विभाग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 मई, 1984

सं० 162/सीमाशुल्क

सं० का० नि० 394(अ).—यह निर्णय किया गया है कि कार्मिक और
प्रशासनिक सुधार विभाग (प्रशासन सुधार पक्ष) निम्नलिखित से संबंधित
कार्यविधियों को अध्ययन करेगा।

- साथ मही लाए गये और साथ लाए गये दोनों प्रकार के
सामान की निकासी, और
- दोनों प्रकार के अर्थात् आयातित और निर्यातित हवाई कार्गो/
किये जाने वाले इस अध्ययन का विषय-क्षेत्र और उद्देश्य
निम्नलिखित होगा:—
- यात्रियों द्वारा समुद्री मार्ग और हवाई मार्ग दोनों के जरिये लाये
गये सामान के निरीक्षण और निकासी से सम्बन्धित मौजूदा कार्य-
विधियों (जिनमें फार्म और दस्तावेज भी शामिल हैं) की समीक्षा

करना तथा साथ नहीं लाये गये सामान की अभिरक्षा तथा
उसे छोड़ने के संबंध में सीमाशुल्क गृहों में किए गये विभिन्न
प्रबंधों की विशेष रूप से समीक्षा करना ताकि उन्हें युक्ति संगत
और सरल बनाया जा सके जिससे यात्रियों को कम-से-कम
विवेक पेश आये और राजस्व-वसूली के कार्य की कुशलता अजिह
से अधिक बढ़े;

(ख) हवाई मार्ग द्वारा लाये गये कार्गो के संभारण संबंधी जो विभिन्न
प्रशासनिक प्रबंध-व्यवस्थाएं प्रचलित हैं, उनकी जांच करना तथा
विभिन्न हवाई मार्गों टर्मिनलों द्वारा निर्यात हेतु माल की निकासी
की मौजूदा सुविधाओं की विशेष रूप से इस उद्देश्य के साथ
छानबीन करना ताकि आयात तथा निर्यात दोनों द्वारा माल
की निकासी को नियंत्रित तथा गतिशील बनाया जा सके और
हवाई कार्गो की सुविधाओं का अधिक से अधिक उपयोग हो
सके;

(ग) ऊपर (क) और (ख) में उल्लिखित माल की जांच करने, उन
पर लगाने और शुल्क की वसूली करने तथा माल की निकासी
करने के मामले में सीमाशुल्क अधिनियम और उसके अधीन
बनाये गये विनियमों के उपबंधों की प्रयोज्यता की जांच करना
तथा रिपोर्ट देना; और

(घ) हवाई मार्ग द्वारा आयातित अथवा निर्यातित सामान की निकासी तथा कार्गो की निकासी से संबंधित किसी अन्य प्रासंगिक अथवा प्रासंगिक मामलों की जांच करना तथा रिपोर्ट देना।

2. अत्युत्तम परिणाम प्राप्त करने हेतु उपर्युक्त अध्ययन के संबंध में उचित मार्गदर्शन देने के लिए और साथ ही इस बात का निर्णय करने के लिए अध्ययन किस तरीके से तथा कितने चरणों में किया जाना चाहिए, एक निर्देशन समूह का निम्नानुसार गठन करने का फैसला किया गया है:—

1. श्री एस. वेंकटराम अय्यर राजस्व विभाग

—अध्यक्ष

2. श्री आर. परमेश्वर अपर सचिव, कांस्टिबल तथा प्रशासनिक सुधार विभाग

—सदस्य

3. श्री के. पी. आनंद संयुक्त सचिव, वाणिज्य मंत्रालय—सदस्य

4. श्री (डा०) गौरी शंकर —सदस्य

5. श्री के. एल. वर्मा सीमाशुल्क समाहर्ता, दिल्ली

—सदस्य

6. श्री डी. एस. सोलंकी सीमाशुल्क समाहर्ता, साहार अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, बम्बई

—सदस्य

[फा० सं० 495/19/84-सीमा शुल्क VI]

आर० एस० सिधू, अपर सचिव,

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd May, 1984

No. 162/CUSTOMS

G. S. R. 324 (2).—It has been decided that the Department of Personnel and Administrative Reforms (AR Wing) will undertake a study of the procedures relating to—

(i) clearance of baggage both un-accompanied and accompanied, and

(ii) air cargo both import and export.

The study will be undertaken with the following scope and objectives:—

(a) to review the existing procedures (including forms and documents) relating to inspection and clearance of

baggage brought in by passengers both by sea and air and in particular to review the various arrangements for custody and release of unaccompanied baggage in the Customs Houses with a view to rationalising and simplifying them so as to minimise harassment to passengers and maximise efficiency in revenue collection;

(b) to examine the various administrative arrangements that are in vogue regarding storage of cargo brought in by air and in particular scrutinise the existing facilities for clearance of goods for export through various air-cargo terminals with the specific objective of achieving a smooth and speedier clearance of goods both by import and export and maximum utilisation of air-cargo facilities;

(c) to examine and report on the application of the provisions of Customs Act and regulations there under in the matter of examination, levy and collection of duty and clearance of the goods mentioned in (a) and (b) above, and

(d) to examine and report on any other incidental or ancillary matters relating to clearance of baggage and clearance of cargo imported or exported by air.

2. To provide proper guidance to the above study and also to decide on the manner/phases in which it should be undertaken for achieving the best results, it has been decided to constitute a Directing Group as under:—

- | | |
|-----------------------------|------------------------------------------------------------------|
| 1. Shri S. Venkatarama Iyer | Department of Revenue
—Chairman. |
| 2. Shri R. Parmeswar | Additional Secretary, Deptt. of P & AR.—Member. |
| 3. Shri K. P. Anand | Joint Secretary, Ministry of Commerce
—Member. |
| 4. Dr. Gauri Shankar | —Member |
| 5. Shri K. L. Verma | Collector of Customs Delhi
—Member. |
| 6. Shri D. S. Solanki | Collector of Customs, Sahar International Airport Bombay—Member. |

[F. No. 495/19/84 - Cus. VI]
R. S. SIDHU, Under Secy,